पुणना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade-VI

HINDI

SPECIMEN COPY

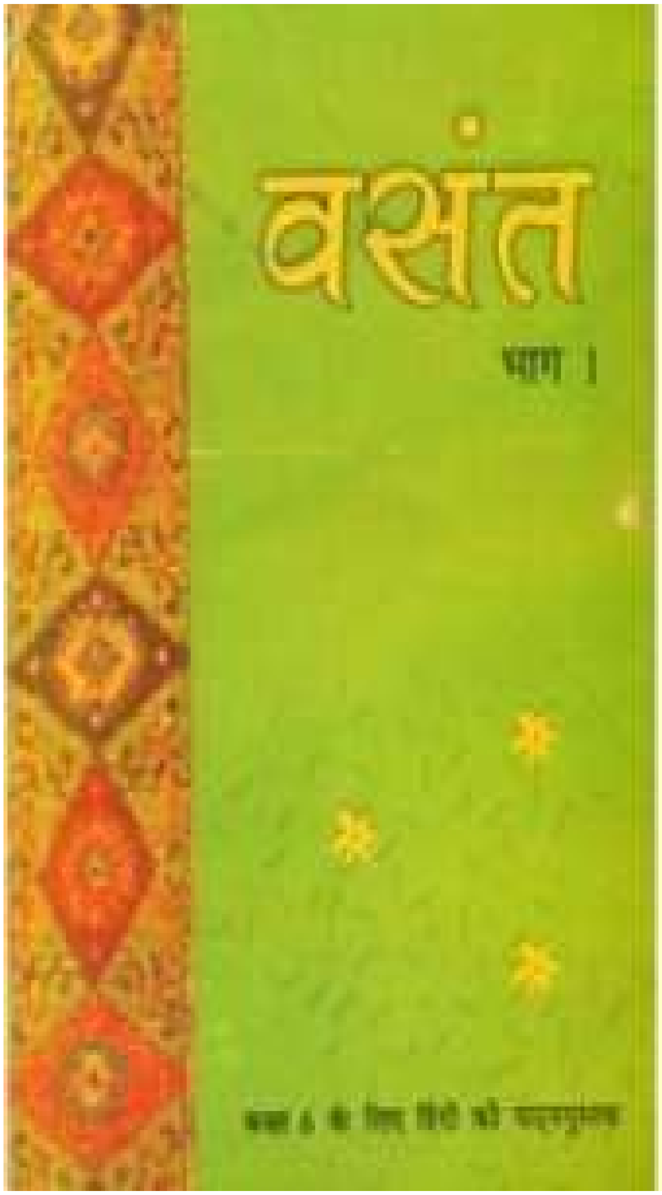
वसंत
भाग 1

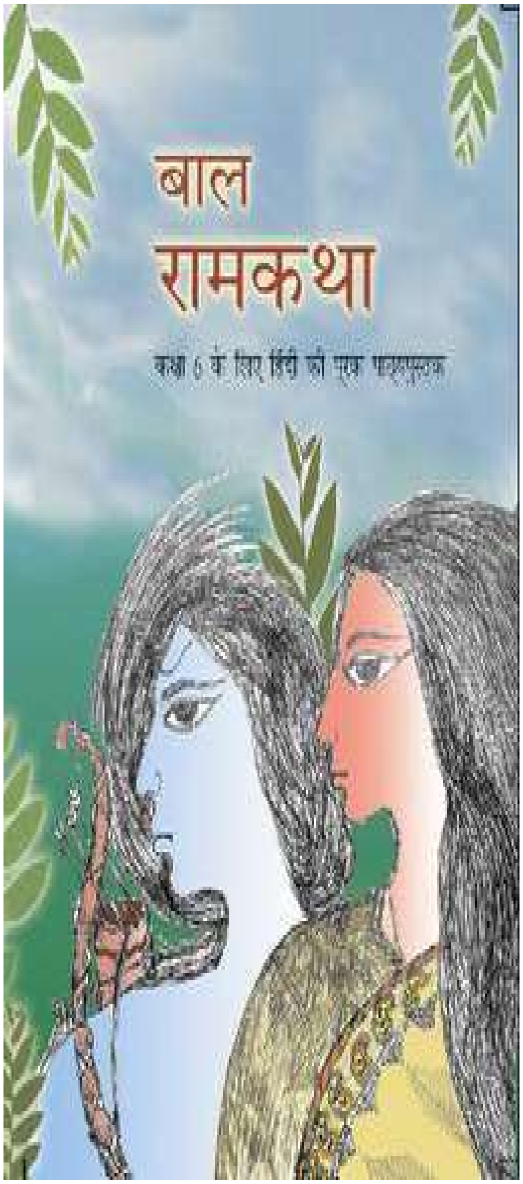
बाल
रामकथा
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पूरक पाठ्यपुस्तक

क्रमांक	महीना	पाठ के नाम	
1	अपल	अ-पाठ-1-वो चिड़िया जो----	
		ब-व्याकरण-भाषा, लिपि, व्याकरण	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-2-बचपन	
		ब-व्याकरण-वर्ण-विचार	
		क-लेखन भाग-निबंध	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-1-अवधपुरी में राम	
		पाठ-2-जंगल और जनकपुर	
2	जून	अ-पाठ-3-नादान	
		ब-व्याकरण-संज्ञा	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-4-चाँद से थोडी-सी बातें	
		ब-व्याकरण-सर्वनाम	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-3-दो वरदान	
		पाठ-4-राम का वन गमन	
3	जुलाई	अ-पाठ-5-अक्षरों का महत्व	
		ब-व्याकरण-विषेशण	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-6-पार नजर के	
		ब-व्याकरण-क्रिया	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	

		अ-पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)	
		ब-व्याकरण-काल	
		क-लेखन भाग-सूचना	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-8-ऐसे-ऐसे	
		ब-व्याकरण-लिंग	
		क-लेखन भाग-संवाद	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-5-चित्रकूट में भरत	
		पाठ-6-दंडक वन में राम	

पाठ-5 अक्षरों का महत्व

(लेखक-श्री गुणाकर मुले)

शब्दार्थ-

1) तादाद-संख्या
2) मूल - जड़, अधार
3) अनादि- जिसका आरंभ न हो
4) अस्तित्व- सत्ता
5) वृत्त- गोल घेरा
6) कौमा - जाति
7) सभ्य-शिष्ट
8) प्रागैतिहासिक-इतिहास से पहले का काल
9) ज़रिए-के दवारा
10) सिलसिला-क्रम

प्र-1-अ) अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) जब से मनुष्य ने लिखना शुरु किया, तब से किसका आरंभ हुआ?

-जब से मनुष्य ने लिखना शुरु किया, तब से इतिहास का आरंभ हुआ ।

2) 'प्रागैतिहासिक काल' का अर्थ क्या है?

-इतिहास के पहले के काल को प्रागैतिहासिक काल कहते हैं।

3) हमारी धरती कितने वर्षो तक जीव-जंतुओ से खाली रही?

- हमारी धरती लगभग दो-तीन अरब साल तक जीव-जंतुओ से खाली रही ।

4) हमारी पृथ्वी लगभग कितने वर्ष पुरानी है?

- हमारी पृथ्वी लगभग पाँच अरब वर्ष पुरानी है ।

5) विभिन्न प्रकार की लिपियों का जन्म किससे हुआ है?

- विभिन्न प्रकार की लिपियों का जन्म अक्षरों से हुआ है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) मनुष्य कब सभ्य कहा जाने लगा?

-आदमी अपने विचार और अपने हिसाब-किताब को लिखकर रखने लगा। तब से मानव को सभ्य कहा जाने लगा।

2) अक्षरो का क्या महत्व है?

-अक्षर लिखित भाषा की बुनियाद है। ये विचारों और ज्ञान के प्रसार में मुख्य भूमिका निभाते है। अक्षरों के माध्यम से ही हम देश दुनिया को खबरे और जानकारी पढ़ पाते है।इस प्रकार अक्षर बहुत महत्वपूर्ण है।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) धरती पर मानव के उदभव और विकास के बारे में लिखो?

-धरती पर मानव ने करीब पाँच लाख साल पहले जन्म लिया।

-लगभग दस हजार साल पहले उसने गाँवो में बसना और खेती करना शुरू किया।

-पत्थरोंके औजारों की जगह ताँबे व काँसे के औजार बनाए जाने लगे।

-करीब छह हजार साल पहले अक्षरोंकी खोज हुई।

व्याकरण

विशेषण-संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता प्रकट करने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।जैसे-जोल, छोटा, नए, लाल।

विशेषण के भेद-

1-गुणवाचक विशेषण-पीली, ईमानदार, ऊँची

2-संख्यावाचक विशेषण-दो, पाँचवीं, सातों

3-परिमाणवाचक विशेषण-थोड़ा, दो किलो, एक लीटर

4-सार्वनामिक विशेषण-उस, वह, यह

लेखन-भाग

अनुच्छेद-अभ्यास का महत्त्व

अभ्यास का अर्थ है - एक ही प्रक्रिया को बार-बार, निरंतर दोहराना और तब तक दोहराना जब तक कि आप अपनी त्रूटियो को दुर न कर ले और उस प्रक्रिया मे सफल न हो जाये।
जिस कार्य में आप सफल होना चाहते है तो उस सफलता के लिये अभ्यास का होना बहुत जरूरी है। आज जितने भी अभिनेता , अभिनेत्री, गायक, लेखक , साहित्यकार, वैज्ञानिक , बड़े-बड़े आध्यात्मिक पुरुष, योग गुरू, तपस्वी आदि हुये है वे कही न कही अपनी सफलता के लिये अभ्यास को बहूत ही ज्यादा महत्व देते हैं। सरल भाषा में यह है कि सांस्सारिक क्रिया से लेकर आध्यात्मिक क्रिया तक, शारीरिक क्रिया से लेकर मानसिक क्रिया तक, अभ्यास जो है प्रत्येक व्यक्ति के जीवन मे सफलता प्राप्ति के लिये बहूत ही ज्यादा काम आती है।
सभी लोगों को पता होता है कि इस संसार में लाखों लोग जन्म लेते हैं। ये लोग जन्म से ही विद्वान् नहीं होते हैं। ये भी निर्बल और गुमनाम होते है। जो अपने जीवन में अत्यधिक अभ्यास करता है उसका जीवन अपने आप ही सफल हो जाता है। जो लोग अपने जीवन में अभ्यास नहीं करते हैं वे अपने जीवन में कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं।
मोहम्मद गौरी ने **ऋछ** बार युद्ध में पृथ्वीराज से असफलता प्राप्त की थी लेकिन उन्होंने अपना साहस नहीं खोया था। उन्होंने लगातार अभ्यास से **ऋष**वीं बार में पृथ्वीराज चौहान को हरा दिया था। उसे लगातार अभ्यास से सफलता मिली थी।
देश को विकसित करने के लिए एक दिन की योजनाओं से कुछ नहीं होता है वर्षों की योजनाओं की जरूरत पडती है। जब तक हमारा देश उन्नति के शिखर पर नहीं पहुंच जाता है हमे परिश्रम और अभ्यास करते रहना चाहिए। इसी से हमारा देश उन्नति के शिखर पर पहुंच सकता है।
अगर किसी को किसी भी क्षेत्र में सफलता चाहिए तो उसे लगातार अभ्यास करने की जरूरत पडती है।संसार में अभ्यास को जीवन में सफलता का मूल मन्त्र माना जाता है। जैसा कि हम सब जानते हैं रहीम दास जी ने कहा है-

करत - करत अभ्यास के जड़ मत होत सुजान।
रस्सी आवत - जात से सिल पर पडत निशान।।

गतिविधि-औजारों के चित्र बनाओ।

पाठ-6 पार नज़र के

शब्दार्थ-

1) सुरंगनुमा-सुरंग के समान, गुफा जैसा
2) सिक्योरिटी-सुरक्षा
3) चुनिंदा-चुना हुआ
4) मुमकिन-संभव
5) लाज़िमी-फ़र्ज
6) कंट्रोलरूम-नियंत्रण कक्ष
7) ऊर्जा-शक्ति
8) उत्सुक-तत्पर
9) यान-वाहन
10) मंशा-इच्छा

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-1-छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

उ-छोटू का परिवार मंगल ग्रह पर बने भूमिगत घरों में रहता था।

प्र-2-कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यो ?

उ-अंतरिक्ष यान को नासा (नेशनल एअरोनोटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन) ने भेजा था कि वह मंगल की मिट्टी के नमूनों को एकत्र करके पृथ्वी पर जांच के लिए मंगवा सके।

प्र-3-सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग कौन करते थे?

उ- सुरंगनुमा रास्ते का प्रयोग चंद चुनिंदा लोग करते थे?

प्र-4-छोटु के पापा सुरंग से होकर कहाँ जाते थे?

उ- छोटु के पापा सुरंग से होकर काम पर जाया करते थे?

लघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-1-छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

उ-छोटू को या फिर किसी भी अन्य व्यक्ति को उस सुरंग में जाने की इजाज़त नहीं थी क्योंकि उस सुरंग से होता हुआ ज़मीन पर जाने का एक रास्ता था, आम आदमी के लिए इस रास्ते से जाने की मनाही थी।

प्र-2-छोटु ने सुरंग में प्रवेश करने के लिए क्या किया?

उ- छोटु ने सुरंग में प्रवेश करने के लिए खाँचे में कार्ड डाला।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्रश्न-**ऋ**-कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उ-छोटू जब कंट्रोल रूम गया तो उसने देखा सब लोग मंगल पर उतरे हुए यान की वजह से परेशान थे। जब सबका ध्यान स्क्रीन पर था तो उसका ध्यान कॉन्सोल पैनल पर था जिसके बटनों को देखकर वह स्वयं को रोक न सका और बटन दबाने की हरकत कर दी।

प्रश्न-**ध**-इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

उ-मंगल पर पहले आम जन-जीवन हुआ करता था। परन्तु सूरज में हुए परिवर्तन के कारण वहाँ के वातावरण में बदलाव आने लगा और इसी तरह प्रकृति में भी बदलाव आने लगा जिसकी वजह से पशु-पक्षी, पेड़-पौधें और अन्य जीव उस बदलाव को सहने में असमर्थ हो गए और धीरे-धीरे मरने लगे जिससे वहाँ का सारा जन-जीवन अस्त व्यस्त हो गया और कुछ भी न बच सका।

व्याकरण

क्रिया-जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।

क्रिया के भेद-

सकर्मक क्रिया-जिस वाक्य की क्रिया को कर्म की आवश्यकता होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।-मानवी ने निशा को पुस्तक दी।

अकर्मक क्रिया- जिस वाक्य की क्रिया को कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं।-बस चलती है।

लेखन -भाग

अनुच्छेद ळ ञ परिश्रम ही सफलता की कुँजी है ञ

रुपरेखाः परिश्रम क्या है ळ जीवन में परिश्रम का योगदान ळ परिश्रम के लाभ परिश्रम जीवन का एक ऐसा मूल मंत्र है जो मनुष्य को प्रगति की राह पर लेजाता है। वास्तविकता और कठोर परिश्रम के माध्यम से ही मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त होती है। सुनियोजित परिश्रम करके मनुष्य किसी भी उद्देश्य या लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। परिश्रम का महत्व सिर्फ व्यक्तिगत विकास से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांसारिक और राष्ट्र एवं जाति की उन्नति में भी योगदान देता है। परिश्रम छोटा बड़ा नहीं होता जैसे किसान का परिश्रम किसी वैज्ञानिक के परिश्रम से कम नहीं आँका जा सकता, क्योंकि दोनों का परिश्रम अतुल्य है। दोनों देश और अपनी उन्नति में सहायक सिद्ध होते हैं। जो मनुष्य जीवन निर्माण में परिश्रम की भूमिका को भली-भांति समझते हैं वह दूसरों से अधिक सबल सिद्ध होते हैं। नगरों, देश और दुनिया में लगातार होता विकास मनुष्य के अथक परिश्रम का प्रतीक है। जो मनुष्य परिश्रमी होते हैं वह दूसरों से कहीं आगे निकल जाते हैं वह अपने क्षेत्र में नाम कमा देश में ही नहीं बलिक विश्व भर में ख्याति प्राप्त करते हैं। ऐसे मनुष्य चिंतामुक्त और हृष्ट-पुष्ट रह कर जीवन के सुखों का उपभोग करते हैं।

गतिविधि-सौर्यमंडल का चित्र बनाओ।

पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)
(साहिर लुधियानवी)

शब्दार्थ-

शब्दार्थ-

1) परबत-पर्वत
2) सीस-शीश
3) फौलादी-मजबूत
4) लेख-भाग्य का लिखा
5) गैरों-दूसरों
6) मंजिले-ध्येय, लक्ष्य
7) नेक-भला
8) कतरा-बूँद
9) ज़र्रा-कण
10) इंसाँ-आदमी, इनसान

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो-

प्र-1-यह गीत किसको संबोधित है?

उ-यह गीत मज़दूरों को संबोधित है।

प्र-2-हमें किससे नहीं डरना चाहिए?

उ- हमें परिश्रम करने से नहीं डरना चाहिए।

प्र-3-गीतकार ने मंजिल पाने के लिए कैसा रास्ता चुनने की शिक्षा दी है?

उ- गीतकार ने मंजिल पाने के लिए भला रास्ता चुनने की शिक्षा दी है?

प्र-4-एक-से-एक मिलकर राई किसका रूप ले लेती हैं?

उ- एक-से-एक मिलकर राई पर्वत का रूप ले लेती हैं?

लघु प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प-1-इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की ज़िंदगी में घटते हुए देख सकते हो?

उ-गीत के प्रथम चरण की पंक्तियों को हम अपने जीवन में घटित होते हुए देख सकते हैं लेखक ने इन पंक्तियों में सब लोगों और मज़दूरों को सम्बोधित करते हुए इस प्रकार

कहा है- अगर हम अपने जीवन में कंधे से कंधा मिलाकर चलें तो जीवन की हर कठिनाई मामूली प्रतीत होगी।

प्र-2-अ सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया- साहिर ने ऐसा क्यों कहा है? लिखो।

उ-अ साहिरजी ने इन पंक्तियों के माध्यम से मनुष्यों के साहस व हिम्मत को दर्शाया है। उनके अनुसार यदि मनुष्य ने मुश्किल कार्यों को सिर्फ इसलिए छोड़ दिया होता कि वो असंभव थे, तो कभी मनुष्य ने विजय प्राप्त नहीं की होती।आज उसकी हिम्मत से ही अंसभव कार्य संभव हो सके हैं।सागर मेंपुलों का निर्माण, जहाज़ों का निर्माण, पर्वतों को काटकर मार्ग बनाना, चाँद पर जाना, दुर्गम स्थानों पर ट्रेनों के लिए मार्ग बनाना मनुष्य की हिम्मत, मेहनत व लगन का ही परिणाम है।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखिए-

प्र-1-गीत में सीने और बाँह को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उ-सीने को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि सीना मनुष्य की मज़बूत इच्छाशक्ति को दिखाता है। जब वह मेहनत करता है तो सारी मुसीबत पहले इसी सीने पर लेता है और मुसीबतों को अडिग होकर सहता है। बाँहों को फ़ौलादी इसलिए कहा गया है क्योंकि इन्हीं बाँहों के सहारे वो मुश्किल से मुश्किल कार्यों को करने में सफल होता है। बाँहों के द्वारा ही उसने पहाड़ों के सीने में सुराख किए हैं और रास्ते बनाए हैं, इन्हीं बाँहों ने फ़ौलाद जैसे पहाड़ों को तोड़ दिया; जो उसकी असीम कार्यक्षमता की ओर इशारा करते हैं।

व्याकरण

काल-क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने के समय का पता चले,उसे काल कहते हैं।

काल के भेद-

भूतकाल-(बीता हुआ समय)- था,थी,थे

वर्तमान काल-(चल रहा समय)- रही है,

भविष्यकाल-(आने वाला समय)-जाएगा,होगा,करेगा

लेखन-भाग

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सूचना लिखिए-

पुना इंटरनेशनल स्कूल

सूचना

दिनांक-

प्रिय छात्रों

20 दिसंबर, 2019 को विदयालय के खेल मैदान में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का अयोजन किया जा रहा है। इस खेल प्रतियोगिता में कबडडी, खो-खो, बैडमिंटन, फुटबॉल जैसे खेलों को सम्मिलित किया गया है।प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक विदयार्थी दस दिसंबर, 2019 तक अपना नाम सूची में दर्ज करवा दें।

रोहित कुमार

सचिव, खेल विभाग

गतिविधि-

--

पाठ-8 ऐसे-ऐसे

(श्री विष्णु प्रभाकर)

शब्दार्थ

१- अंट-शंट -ऐसी वैसी
२- चकित -हैरान
३- रूआँसा -रोनीसूरतवाला
४- गुलजार -रोशन
५- बला - मुसीबत
६- भला-चंगा -ठीक-ठाक
७- धमा-चौकड़ी-उछल-कूद
८- छका देना- परेशान-करना
९- अटटाहास -जोरकी हँसी
१0- छकाना -मूर्खबनाना

अति लघु प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ हर्ष से कौन उछल पड़ा?

उ-१ वैदृयजी उछल पड़े।

प्र-२ मामूली बात कौन-सीहै?

उ-२ पुड़ियाभेजताहूँमामूली बात है।

प्र-३ मोहनकिसदर्द से बेचैनहै?

उ-३ मोहन पेट दर्दबेचैनहै।

लघु-प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ माँ मोहन की कमर सहलाती हुई क्या कहती है?

उ-१ माँ कहती है कि दोपहर तक सब ठीक था फिरना जाने क्या हो गया है।यह ऐसे लेटने वाला नही है हर वक्त घर सिरपर उठाए रहताहै।

प्र-२ बैध जी क्या आश्वासन देते है ?

उ-२ बैध जी आश्वासन देते है कि दवा लेने पर दो-तीन दस्त होगें फिर पेट का दर्द ऐसे-ऐसे बिल्कुल ठीक हो जाएगा।

दीर्घ प्रश्न-उत्तर।

प्र-१ मास्टर जीमोहन से स्कूलकेकामोके बारे में क्यों पूछते है?

उ-१ मास्टर जीसमझ गए किमोहन ने स्कूल का कामपुरानहीं ‍कियाहै।इसलिए वह पेट दर्द का बहानाकररहाहै।इसलिए वे उसे स्कूलकेकामों के बारे में पूछते है।

प्र-२ हर्ष से कौन उछल पड़ाऔरक्यों?

उ-२ हर्ष से बैध जी उछल पड़ेक्यों कि बैध जीसमझ गए थे किमोहन का दर्दमामूलीहै उसके लिए वहपुड़ियाभेजेगे।

प्र-३ मास्टर जी ने यहक्यों कहा किमोहनकीदवावैदयऔर ड़ाक्टर के पास नहीं है?

उ-३ मास्टर जी ने यह इसलिए कहा किवोसमझ गए थे किअक्सर इस उम्र केलड़कों को यह पेट दर्द हो जाताहैजब उनकास्कूल का कार्य अधूरा रह जाताहै। जिसका इलाज ड़ाक्टर यावैदयके पास नहीहोता।

व्याकरण

प्रश्नःलिंग किसे कहते हैं

उत्तर ःजिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति की जाति का पता चलता है उसे लिंग कहते हैं। इससे यह पता चलता है की वह पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का है।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
भाई	बहन
माता	पिता
गायक	गायिका
बालक	बालिका
अध्यापक	अध्यापिका
नर	नारी
वर	वधु
पुत्र	पुत्री
पड़ोस	पड़ोसिन
नाग	नागिन

सिंह	सिंहनी
पति	पत्नी
दुल्हा	दुल्हन
शिक्षक	शिक्षिका

स्वाध्याय: लिंग को पहचान कर उस पर रेखा खिचिए :

१:हाथी- स्त्रीलिंग पुल्लिग
२:बुढ़िया- स्त्रीलिंग पुल्लिग
३:सुनारन्-स्त्रीलिंग पुल्लिग
४:ससुर- स्त्रीलिंग पुल्लिग
५:नाती-स्त्रीलिंग पुल्लिग
६:बंदर -स्त्रीलिंग पुल्लिग
७:माली-स्त्रीलिंग पुल्लिग
८:चीटा-स्त्रीलिंग पुल्लिग
९:दुल्हन-स्त्रीलिंग पुल्लिग
१०:सिंह-स्त्रीलिंग पुल्लिग

लेखन-भाग

संवाद लेखन- सब्जीवाले और ग्राहक का वार्तालाप -

ग्राहक- ये मटर कैसे दिए है भाई ?

सब्जीवाला- ले लो बाबू जी ! बहुत अच्छे मटर है, एकदम ताजा।

ग्राहक- भाव तो बताओ।

सब्जीवाला- बेचे तो पंद्रह रुपये किलो हैं पर आपसे बारह रुपये ही लेंगे।

ग्राहक- बहुत महँगे है भाई!

सब्जीवाला- क्या बताएँ बाबूजी ! मण्डी में सब्जी के भाव आसमान छू रहे हैं।

ग्राहक- फिर भी .... । कुछ तो कम करो।

सब्जीवाला- आप एक रुपया कम दे देना बाबू जी ! कहिए कितने तोल दूँ?

ग्राहक- एक किलो मटर दे दो। और ...... एक किलो आलू भी।

सब्जीवाला- टमाटर भी ले जाइए, साहब। बहुत सस्ते हैं।

ग्राहक- कैसे?

सब्जीवाला- पाँच रुपये किलो दे रहा हूँ। माल लुटा दिया बाबू जी।

ग्राहक- अच्छा ! दे दो आधा किलो टमाटर भी। ..... और दो नींबू भी डाल देना।

सब्जीवाला- यह लो बाबू जी। धनिया और हरी मिर्च भी रख दी है।

ग्राहक- कितने पैसे हुए?

सब्जीवाला- सिर्फ इक्कीस रुपये।

ग्राहक- लो भाई पैसे।

गतिविधि-अपने बचपन की एक शरारत लिखिए।

पाठ-5 चित्रकूट में भरत

शब्दार्थ-

1) अनभिज्ञ-अनजान
2) अनिष्ट-अमंगल
3) विलाप-दुखी होना
4) निष्कंटक-बिना किसी बाधा के
5) भ्रष्ट-खराब
6) अक्षम्य-जो क्षमा ना किया जाए
7) ग्लानि-दुखभरा पछतावा
8) नैसर्गिक-सहन
9) उत्कंठा-बैचेनी

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-क अयोध्या की सेना का क्या नाम था?

उत्तर- अयोध्या की सेना का चतुरंगिणी नाम था ।

प्रश्न-ध गंगा यमुना के संगम पर किसका आश्रम था?

उत्तर- गंगा यमुना के संगम पर महर्षि भरद्वाज का आश्रम था ।

प्रश्न-ट राम को वापस लाने वन कौन-कौन गए?

उत्तर - राम को वापस लाने वन भरत, मंत्रिगण, सभासद, गुरु वशिष्ठ और नगरवासी गए ।

प्रश्न-थ राम महर्षि भरद्वाज के आश्रम में क्यों नहीं रहना चाहते थे?

उत्तर - राम महर्षि भरद्वाज के आश्रम में नहीं रहना चाहते थे ताकि महर्षि को असुविधा ना हो ।

प्रश्न-त्र पर्णकुटी कहाँ बनाई गई?

उत्तर - पर्णकुटी एक पहाड़ी पर बनाई गई ।

प्रश्न-घ निषादराज गुह ने गंगा पार करने के लिए कितनी नाव जुटायी?

उत्तर - निषादराज गुह ने गंगा पार करने के लिए पाँच सौ नाव जुटायी ।

पाठ-6 दंडक वन में राम

शब्दार्थ-

1) शिलाखंड-पत्थर का टुकड़ा

2) सुरम्य- मनोहर

3) परिपूर्ण-भरा-पूरा

4) विघ्न-बाधा

5) सौंदर्य-शोभा

6) विकृत-डरावना

7) आसक्त-मोहित

8) पिछलग्गु-पीछे-पीछे चलने वाला

9) निलक्षण-अनोखा

10) आग्रह-निवेदन

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न–ऋ चित्रकूट और अयोध्या में कितनी दूरी थी?

उत्तर– चित्रकूट अयोध्या से चार दिन की दूरी पर था ।

प्रश्न–ध राम चित्रकूट से दूर क्यों चले जाना चाहते थे?

उत्तर– राम चित्रकूट से दूर इसलिए चले जाना चाहते थे क्योंकि चित्रकूट में लोग राम से राय माँगने आया करते थे जो कि राम को राजकाज में हस्तक्षेप की भाँती लगता था । इसका एक कारण यह भी था कि कुछ मायावी राक्षस जब तब वन में आ धमकते थे और यज्ञ में बाधा डालते थे ।

प्रश्न–ट दंडक वन का वर्णन कीजिए ।

उत्तर – दंडकारण्य एक घना जंगल था जो की पशु पक्षियों से परिपूर्ण था । इस वन में अनेक तपस्वियों के आश्रम थे और यहाँ कुछ मायावी राक्षसों का भी वास था ।

प्रश्न–थ राक्षस ऋषि मुनियों को किस प्रकार कष्ट देते थे?

उत्तर – राक्षस ऋषि मुनियों के अनुष्ठानों में विघ्न डालकर कष्ट देते थे ।

प्रश्न–त्र सीता की दैत्यों के सहांर के संबंध में क्या सोच थी?

उत्तर – सीता चाहती थीं कि राम अकारण राक्षसों का वध न करें । उन्हें न मारें जिन्होंने उनका कोई अहित नहीं किया है ।